तैयारी | **ये मंडियां ई-मार्केटिंग से जुड़ेंगी और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी कारोबार कर सकेंगी**

जैविक उत्पाद मंडियां 16 जिलों में खुलेंगी

लखनऊ, प्रमुख संवाददाता। प्रदेश के 16 जिलों में जल्द ही जैविक उत्पादों की मंडियां खोली जायेंगी। ये मंडियां पूरी तरह से अत्याधुनिक होंगी और अन्तराष्ट्रीय स्तर पर भी कारोबार करने में सक्षम होंगी। इसके लिए इन्हें ई-मार्केटिंग से भी जोड़ा जायेगा।

इससे प्रदेश से जैविक कृषि उत्पादों के निर्यात को जहां पंख लग सकेंगे वहीं जैविक फसलें उगाने वाले किसानों को भी स्थानीय स्तर पर ही बाजार मिल जायेगा। फलस्वरूप काश्तकार तो लाभान्वित होंगे ही इसके साथ देश को भी जैविक उत्पाद निर्यात से विदेशी मुद्रा हासिल करने में सफलता मिलेगी

प्रदेश में जैविक खेती को बढ़ावा देने और उसके निर्यात का रास्ता खोलने की दिशा में सरकार की तरफ से इसे एक बड़ा कदम माना जा रहा है। बताया जाता है कि जैविक उत्पाद विपणन केंद्र के नाम से खुलने वाली इन मंडियों की स्थापना के लिए सरकार की ओर से पहले चरण में 100 करोड़ खर्च किया जायेगा।

उल्लेखनीय है कि प्रदेश में नमामि गंगे योजना के तहत गंगा बेसिन में बड़ी संख्या में जैविक खेती समूह बनाया गया है जो केवल जैविक फसलों का उत्पादन करने में लगी हैं। नवीन जैविक मंडियों में जैविक उत्पादों के मानकीकरण की सुविधा भी उपलब्ध होगी।

इन 11 जिलों में शुरू की गई है जैविक उत्पादों की खेती

बलिया, बिजनौर, बदायूं, बुलन्दशहर, फर्रुखाबाद, गाजीपुर, हरदोई, कासगंज, कौशाम्बी, शाहजहांपुर एवं उन्नाव में जैविक पद्धति से मक्का, धान, गन्ना, बासमती धान, बाजरा, शकरकंद, अरहर, व तिल के अलावा सब्जियां व फल उगाये जा रहे हैं। इसके अलावा प्रदेश के पांच ऐसे जिले हैं जहां पहले से ही बड़े पैमाने पर बड़े क्षेत्र में जैविक पद्धति से खेती होती है। इसमें पहला नाम मुजफ्फरनगर का नाम है जहां 397 .87 हेक्टेयर में जैविक खेती होती है जबकि फतेहपुर में 179 .91 हेक्टेयर, अलीगढ़ में 169 .93, कानपुर नगर में 83 .72 हेक्टेयर में जैविक खेती होती है। नई जैविक मंडियां इन्हीं जिलों में खुलनी हैं।